www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

युग चेतना साहित्य-१३२

वृक्षों से ही धरती शस्य-श्यामला

युग ऋषि पं० श्रीराम शर्मा आचार्य

यह पुस्तिका स्वयं पढ़ें, परिवार में सभी को पढ़ाएँ ।
एक सप्ताह बाद किसी अन्य पात्र व्यक्ति को दे दें ।

सौजन्य से :

8274

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

: BOOK MADE AVAILABLE FOR DIGITIZATION BY :

YUG NIRMAN YOJANA, GAYATRI TAPOBHUMI
MATHURA, INDIA

: OUR MAIN CENTERS :

Shantikunj, Haridwar,
Uttaranchal, India – 249411
Phone no : 91-1334- 260602,
Website : www.awgp.org
E-mail : shantikunj@awgp.org

Gayatri Tapobhumi,
Mathura, U.P., India – 281003
Phone no : 91-0565-2530128,
Website : www.awgp.org
E-mail : yugnirman@awgp.org

: BOOK DIGITIZED BY :

Vicharkranti Pustakalay, Thana-Faliya, Dindoligam, Surat-394210, Gujarat, India
E-mail: vicharkranti.awgp@gmail.com | Website : www.vicharkrantibooks.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

आत्मीय अनुरोध

परमपूज्य गुरुदेव की आकांक्षानुसार उनके उत्कृष्ट चिंतन को जन-जन तक पहुँचाने के लिए विभिन्न विषयों पर अति अल्प मूल्य वाली पुस्तकों का **युग चेतना साहित्य** प्रकाशित किया जा रहा है । न्यूनतम १०० पुस्तिका मँगाने के लिए डाकखर्च सहित कुल २२५) रुपया भेजना चाहिए । शक्तिपीठें एक साथ अधिक साहित्य मँगाकर स्थानीय कार्यकर्ताओं को उपलब्ध करा सकती हैं । उदार दानी भामाशाहों को अपने धन का सदुपयोग ज्ञानयज्ञ में करके पुस्तिकाएँ समाज में वितरित करनी चाहिए । इसी प्रकार के क्रांतिकारी चिंतन की पाठ्यसामग्री के स्वाध्याय हेतु 'युग निर्माण योजना' मासिक पत्रिका (वार्षिक शुल्क ३०) रुपया) के सदस्य बनें ।

-लीलापत शर्मा
व्यवस्थापक
युग निर्माण योजना, मथुरा

मूल्य : ३० पैसे

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

वृक्षों से ही धरती शस्य–श्यामला

रेगिस्तान में पेड़ नहीं होते, ऐसा कहा जाता है । वस्तुतः कहना यह चाहिए कि जहाँ पेड़ नहीं होते, वहाँ रेगिस्तान होता है । पेड़ों के अभाव में हवा के वेग, शुष्कता और मौसम के असंतुलन के कारण ही रेगिस्तान होते हैं । बरसात का आकर्षण करने के लिए पेड़ न होने से राजस्थान के इलाके में रेगिस्तान तेजी से बढ़ता जा रहा था । इससे राज्य सरकार बड़ी चिंतित थी । रेगिस्तान के प्रसार को रोकने के लिए जहाँ बाहर से जल लाने की व्यवस्था की गई है, वहाँ सरकार इस प्रयत्न में भी है कि इस इलाके में वृक्षारोपण आंदोलन को अधिक गतिशील बनाया जाए,

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

ताकि वहाँ रेगिस्तानी प्रसार को रोका जा सके और जलवायु में परिवर्तन लाकर उसे समाप्त किया जा सके । ऐसा हो जाएगा तो हजारों–लाखों एकड़ जमीन कृषि के लिए निकल आएगी और हजारों किसानों को काम मिल जाएगा । इससे न केवल समृद्धि ही बढ़ेगी वरन् खाद्य समस्या का समाधान भी होगा । इसमें वृक्षारोपण से आशानुकूल सफलता मिली भी है ।

धरती माता को शस्य–श्यामला कहकर उसकी वंदना की गई है । यह पुण्य नाम उसे इसलिए दिया गया था कि वह वृक्ष–बेल और लता–गुल्मों से सदैव आच्छादित रहा करती थी । ऊँचाई से इसका पिंड सर्वत्र हरा–भरा नजर आता है । वह

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org
शोभा बड़ी सुंदर लगी । कवि ने उसे भाव नेत्रों से देखा तो वह इस मनोहर रूप पर मुग्ध होकर रह गया । तभी उसने इसे शस्य–श्यामला की उपाधि से विभूषित किया ।

पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले रूसी अंतरिक्ष यात्री यूरी गगारिन सद्भावना यात्रा पर भारतवर्ष आए तो पत्रकारों ने उनसे अंतरिक्ष यात्रा के संस्मरण पूछे । गगारिन ने बताया कि संभवतः पृथ्वी ही समस्त खगोल में एक ऐसा ग्रह पिंड है, जिससे सुंदर और कोई दूसरा पिंड नहीं । इस सौंदर्य का कारण उन्होंने इसकी प्राकृतिक सुषमा, हरीतिमा वृक्षावली को ही बताया ।

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

वृक्ष न होते तो यह धरती भी एक उजड़ी एवं सुनसान जैसी स्थिति में रही होती । तब अंतरिक्ष वासियों को तो क्या धरती वालों को ही यहाँ किसी सौंदर्य के दर्शन न होते । यहाँ सर्वत्र उदासी सी दिखाई देती और उसका प्रभाव लोगों की मानसिक स्थिति पर भी पड़े बिना न रहता । माघ–फाल्गुन के महीने में जब पतझड़ हो जाता है और वृक्षों के केवल ठूँठ मात्र रह जाते हैं तो न जाने कैसी आत्मिक आकुलता उत्पन्न होती है ? निर्वसन प्रकृति से मनुष्य की आत्मा में दुख की अनुभूति होना महत आध्यात्मिक तथ्य है, जबकि दूसरी ओर सावन–भादों के महीनों में आंतरिक उल्लास, प्रगाढ़ प्रेम भावनाएँ,

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org
प्रसन्नता, सरसता आदि के उद्‌गार अपने आप उमड़ने लगते हैं । उन दिनों प्रकृति सर्वत्र हरी–भरी जान पड़ती है । उसी के प्रभाव स्वरूप इस प्रकार की सरस भावनाएँ जाग्रत होती हैं ।

वृक्षों की पंक्तियों और फूलों से मनुष्य को सौंदर्य और कलापूर्ण जीवन की प्रेरणा मिलती है । सेमर फूलता है तो चाँदनी रात में उस स्थान की चारुता अनुपम हो उठती है, अमलतास के पुष्पों का गहन आच्छादन देखते ही बनता है । आमों की बौर, कचनार की शोभा, तगर, गुल्म, गुलाब, हारसिंगार, मोंगरा, चमेली, जुही, चम्पा, कन्नेर, गेंदा, कमल इससे वातावरण की सुवास बढ़ती है । ये पुष्प मनुष्य को

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org
हँसना सिखाते हैं, प्रसन्नता प्रदान करते हैं, सुगंध बिखेरते हैं और मनुष्य को सौंदर्य के प्रति प्रेम की प्रेरणा देते हैं । परमात्मा का मुक्त हास उन फूलों में ही विकसित हुआ है ।

फूलों से लोगों का स्वागत करने की प्रथा है । फूलों के गुलदस्ते से कमरे, ऑफिस सजाए जाते हैं । प्रेम के प्रतीक के रूप में लोगों को भेंट किए जाते हैं । पाश्चात्य देशों में दांपत्य प्रेम के रूप में मंगल मिलन में पुष्पों का आदान–प्रदान होता है । भारतवर्ष में तो कोई भी धर्मानुष्ठान या मंगल कार्य फूलों के बिना संपन्न ही नहीं होता । देवता और भगवान् तक फूलों को पाकर प्रसन्न होते हैं । मनुष्य की

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org
प्रवृत्तियों को इस प्रकार कलात्मक, सौंदर्ययुक्त एवं ऊर्ध्वगामी बनाने वाले ये फूल भी वृक्षों की ही कृपा की देन हैं ।

पर्व मनाने और उन अवसरों पर विशेष पुण्य प्रयोजन रखने की परंपरा हमारे भारत देश में बहुत ही प्राचीनकाल से चली आ रही है । श्रावणी पर्व का महत्व इनमें से सर्वाधिक है । उस दिन अपने ऋषियों, पितरों को श्रद्धा समर्पित करते हैं । आचार्यों ने देखा कि वृक्ष परोपकार के प्रतीक हैं और बिना मोल माँगे मनुष्यों और पशुओं को छाया, फल, हरियाली प्रदान करते हैं । इसके अतिरिक्त और भी अनेक लाभ वृक्षों से मिलते हैं । मानव जीवन में वृक्ष वनस्पतियों का बहुत बड़ा हाथ है । भोजन,

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org
वस्त्र, निवास आदि में वृक्षों का ही योगदान अधिक रहता है । इसलिए वृक्षारोपण, उनका पूजन एवं अधिकाधिक हरियाली पैदा करना प्रत्येक मनुष्य का कर्तव्य है ।

श्रावणी पर्व पर इस कर्तव्य की पूर्ति का एक निश्चित विधान आदि काल से चला आ रहा है, पर अब उसे बहुत थोड़े क्रियाकांड के रूप में मना लिया जाता है । उसके व्यावहारिक पहलू यों ही अछूते रह जाते हैं । इस पुण्य पर्व पर प्रायः प्रत्येक व्यक्ति को एक वृक्ष लगाना चाहिए । उसका पूजन करना चाहिए और जब तक वह इतना समर्थ न हो जाए कि अपनी खुराक आदि स्वयं ग्रहण करने लगे तब तक उसे खाद, पानी, मिट्टी और पर्याप्त सुरक्षा प्रदान

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

करते रहना चाहिए । देश की आबादी में से यदि ५० प्रतिशत व्यक्ति भी इस पर्व पर अपनी रचनात्मक श्रद्धांजलि प्रति वर्ष प्रस्तुत करते रहें और ५० करोड़ वृक्ष हर साल लगाते रहें तो यह धरती सचमुच फिर से शस्य–श्यामला बन जाए । व्यक्तिगत रूप से यह कार्य हर व्यक्ति को करना चाहिए ।

सामूहिक रूप से वृक्षारोपण सप्ताह भी मनाने चाहिए । ऐसे आयोजन धार्मिक रहें तो और भी अच्छा है । इसके लिए श्रावणी के आस–पास का समय ही अधिक उपयुक्त है । इन दिनों लगाए हुए वृक्षों की जड़ें आसानी से मिट्टी पकड़ लेती हैं और उन्हें पानी आदि देने की भी आवश्यकता

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org
नहीं रहती । सप्ताह के कार्यक्रमों को तीन भागों में विभक्त कर दिया जाए ।

(१) **धर्मानुष्ठान**–प्रातःकाल लोग एकत्रित हों और यज्ञ, कथा, कीर्तन आदि के माध्यम से ईश्वर की सामूहिक प्रार्थना करें, धर्माचरण की प्रेरणा माँगें और युग निर्माण सत्संकल्प का पाठ करें । थोड़े से प्रसाद आदि के वितरण की व्यवस्था हो सके तो वह और भी अच्छी बात है ।

(२) सभा का आयोजन किया जाए, जिसमें अधिक लोगों को इकट्ठा कर वृक्षों के धार्मिक, आध्यात्मिक, आर्थिक एवं अन्यान्य लाभों से अवगत कराया जाए और उन्हें वृक्षारोपण की प्रेरणा, हरे वृक्ष न काटने के सुझाव दिए जाएँ । रूपक दृष्टांत

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org
देकर लोगों को समझाया जाए, वैज्ञानिक तथ्यों की जानकारी और आँकड़े दिए जाएँ । युग चेतना साहित्य की १३१ से १४० तक की पुस्तकें पढ़ने को वितरित की जाएँ । पहले से वृक्षों के महत्व बताने वाले परचे छपवाकर रखे जाएँ और उन्हें लोगों में बाँटा जाए । वृक्षों की परोपकार संबंधी कविताएँ छापी जाएँ और उनका भी वितरण हो ।

(३) सामूहिक रूप से वृक्षारोपण किए जाएँ । गाँव के किन्हीं वयोवृद्ध, अध्यापक, सरपंच अथवा अन्य गणमान्य व्यक्ति से वृक्षारोपण कराए जाएँ और उनका अक्षत, धूप, दीप से पूजन कर हर्ष मनाया जाए । इस तरह के कार्यक्रम एक सप्ताह

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

तक चलाए जाएँ तो उससे जनता में एक रचनात्मक वातावरण का विकास हो सकता है ।

परिजनों से अनुरोध है कि प्रति वर्ष श्रावण माह में श्रावणी पर्व आता है । इस पुस्तक को पढ़ने के बाद आप श्रावणी पर्व पर क्या आयोजन करने जा रहे हैं, इसके संबंध में पत्र व्यवहार करें । गोष्ठी करें, सामूहिक प्रयास से अधिक उपलब्धि प्राप्त करने के प्रयास करें ।

आशा है आपको यह पुस्तिका अच्छी लगी होगी । इस पुस्तिका को एक सप्ताह से अधिक अपने पास रखना ज्ञानयज्ञ में विघ्न डालना है । आप भी कुछ पुस्तकें समाज में वितरित करें ।

मुद्रक : युग निर्माण प्रेस, मथुरा

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

ज्ञानयज्ञ की क्रांतिकारी योजनाएँ

(१) **श्रीराम झोला पुस्तकालय**–समयदान के अंतर्गत परिजन नित्यप्रति न्यूनतम एक घर में साहित्य बदलने का कार्य करें । पूज्यवर के चिंतन को घर–घर पहुँचाएँ ।

(२) **माता भगवती स्वचालित पुस्तकालय**–नियमित दैनिक अंशदान (न्यूनतम ५० पैसा प्रतिदिन) ज्ञानयज्ञ के लिए निकालकर १५) रुपए की युग चेतना साहित्य की ५० पॉकेट बुक्स प्रतिमाह पढ़ने के लिए बाँटें ।

(३) **गायत्री ज्ञानयज्ञ योजना**–पुरानी पुस्तकें एवं पत्रिकाएँ गायत्री ज्ञानयज्ञ योजना की स्लिप लगाकर समाज में वितरित कर दें । स्लिप गायत्री तपोभूमि, मथुरा से मँगा सकते हैं ।

(४) **युग चेतना साहित्य वितरण योजना**–३० पैसा मूल्य वाली १६ पेजी पॉकेट बुक्स न्यूनतम ९०० मँगाने के लिए डाकखर्च सहित कुल २२५) रुपया भेजकर मँगाएँ और वितरित करें ।

संपर्क सूत्र–**विचार क्रांति अभियान**
युग निर्माण योजना, मथुरा–२८१००३

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

युग ऋषि चिंतन

विचारों की विचारों से काट, आस्थाओं का परिष्कार और उल्टे को उलट कर सीधा करना ही विचार क्रांति का लक्ष्य है । सद्ज्ञान का आलोक नासमझी के अंधकार को मिटाने का कार्य संपादित करे । हमारे विचार बड़े पैने हैं, तीखे हैं । दुनिया को पलटने का जो दावा हम करते हैं, वह सिद्धियों से नहीं, अपने सशक्त विचारों से करते हैं । आप इन विचारों को फैलाने में हमारी सहायता कीजिए ।

-पं० श्रीराम शर्मा आचार्य

अधिक जानकारी के लिए पढ़ें : वृक्षारोपण एक परम पुनीत पुण्य-२), तुलसी के चमत्कारी गुण-३), स्वास्थ्य रक्षा प्रकृति के अनुसरण से ही संभव-६), युग ऋषि का अध्यात्म-युग ऋषि की वाणी में-७)५०, विकृत चिंतन रोग-शोक का मूलभूत कारण-६) ।

पुस्तक सूची के लिए निम्न पते पर लिखें ।

युग निर्माण योजना
गायत्री तपोभूमि, मथुरा-२८१००३
फोन : (०५६५) ४०४०००, ४०४०१५

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org